Sri Aurobindo Samman | श्री अरबिंदो सम्मान

नाम नहीं, काम को सम्मान

शाश्वत हिंदू

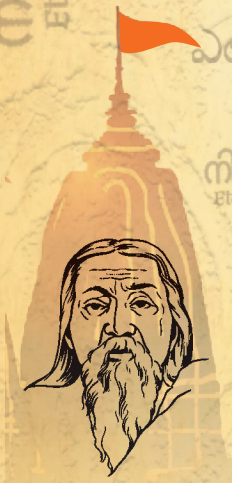

Supported By

SHASHWAT DEVALAY

MANDIR ECOSYSTEM
धर्मस्य मूलं अर्थः

My INDIA JAI HIND My GLORY

हिन्दू राष्ट्र शक्ति
देश - धर्म - देवालय

Sri Aurobindo Samman

Sri Aurobindo's life is a reflection of **'Ek Bharat, Shreshtha Bharat',** his life and work are reflecting the oneness and cultural pre-eminence of Ma Bharati, Sri Aurobindo's ideological clarity, cultural strength and patriotism made him a role model for freedom fighters. Sri Aurobindo himself a prominent freedom fighter also a poet-philosopher his modern thoughts, higher consciousness and uncompromising nationalism should inspire Bharat's leadership role in the world in greater measure.

Shri Swami Vivekananda along with Sri Aurobindo, emerged as two of the loudest voices of Indian culture whose lives and contributions during the era of colonial oppression shaped the destiny of Ma Bharati. Sri Aurobindo on his return to India after education and global exposure in England, had become proficient in several languages, and had studied the scriptures and translated texts ranging from the Sri Ramayana, Sri Mahabharata and the Upanishads to Kalidasa, Bhavabhuti and Bharatthari. Shri Aurobindo was among the first freedom fighters to call for full Independence and instrumental in helping India break free from the colonial mindset.

Sri Aurobindo Samman is a symbolic recognition conferred on Individuals and organizations with the spirit of Selfless Seva through diverse approach to uphold the spirit and Dharma of Ma Bharati as reflected by Sri Aurobindo through his writings and life.

Samman Categories:

1. **Enriching Nature:** Preservation, Promotion, Educational, Activism
2. **Following Dharma:** Gau Seva, Dharma Raksha, Knowledge, Spirituality
3. **Serving Society:** Seva, Shiksha, Sanskar, Swarozgar
4. **Preserving Culture:** Art-Music, Yoga-Sadhana, Literature

श्री अरबिंदो सम्मान

महर्षि श्री अरबिंदो का जीवन **'एक भारत - श्रेष्ठ भारत'** का एक अनुपम प्रतिबिंब है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व माता भारती की एकता और भारत वर्ष की सांस्कृतिक श्रेष्ठता को अभिव्यक्त करता है। महर्षि श्री अरबिंदो एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, कवि-दार्शनिक, आधुनिक विचारक, उच्च चेतनायुक्त और समझौता न करने वाले राष्ट्रवादी महापुरुष थे। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व के प्रकाश से दुनिया में भारत की सकारात्मक नेतृत्वकारी भूमिका की स्थापना हुई। श्री अरबिंदो का जन्म बंगाल में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश जीवन गुजरात और पुडुचेरी में बिताया।

इंग्लैंड में शिक्षा ग्रहण करने और वैश्विक यात्रा के बाद भारत लौटने पर श्री अरबिंदो कई भाषाओं में पारंगत हो चुके थे। उन्होंने कई ग्रंथों का अध्ययन किया । श्री अरबिंदो ने रामायण, महाभारत और उपनिषद से लेकर कालिदास, भवभूति और भर्तृहरि के ग्रंथों का भी अनुवाद किया था। श्री अरबिंदो की वैचारिक स्पष्टता, सांस्कृतिक शक्ति और देशभक्ति ने उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानियों के लिए एक आदर्श और प्रेरक मार्गदर्शक बनाया।

'श्री अरबिंदो सम्मान' का लक्ष्य माता भारती के गौरव को बढ़ाने वाले, सनातन धर्म संस्कृति की रक्षा और पोषण करने वाले विविध दृष्टिकोण के व्यक्तियों और संगठनों को प्रोत्साहन प्रदान करने वाला एक प्रयास है। जैसा कि श्री अरबिंदो के जीवन दर्शन और उनके द्वारा लिखित साहित्य से अभिव्यक्त होता है।

श्री अरबिंदो सम्मान श्रेणी:

1. **प्रकृति की समृद्धि:** संरक्षण, संवर्द्धन, शैक्षिक सक्रियता
2. **धर्म का पालन:** गौ सेवा, धर्म रक्षा, ज्ञान, अध्यात्म
3. **समाज की सेवा:** सेवा, शिक्षा, संस्कार, स्वरोजगार
4. **संस्कृति का संरक्षण:** कला-संगीत, योग-साधना, साहित्य

Sri Aurobindo Samman, 2023

Sri Aurobindo Samman, 2024

Nomination Link: http://shashwathindu.com/nomination

Join Us

SHASHWAT DEVALAY

MANDIR ECOSYSTEM
धर्मस्य मूलं अर्थः

Support Us

Shashwat Hindu Pratishthan | शाश्वत हिंदू प्रतिष्ठान

Delhi: MG House, A - 86, Okhla Industrial Estate Phase - II, New Delhi - 110020
www.shashwathindu.com info@shashwathindu.com +91 86571 44149 / 8657144169
eternal_hindu HinduEternal hindueternal groups/shashwatdevalay